तीन पहेलियाँ

यहूदी लोककथा

एक बार एक राजा के तीन नौकर थे - एक शिकारी,
एक चौकीदार और एक आटा चक्की चलाने वाला.

चक्की वाले नौकर की
एक बेटी थी - राहेल.
वो बहुत बुद्धिमान
और चतुर थी.
फिर भी हर दिन,
राहेल को अपने पिता
की चक्की में कड़ी
मेहनत करके सुबह से
शाम तक आटा
पीसना पड़ता था.

एक दिन राजा ने अपने तीनों नौकरों को बुलाया और कहा, "मैंने तीन पहेलियों के उत्तर पूछने के लिए तुम्हें यहां बुलाया है. जो कोई भी मुझे सही उत्तर देगा, उसे सोने की मोहरों से भरा एक थैला मिलेगा; लेकिन जो कोई भी मुझे गलत जवाब देगा, उसे मेरे राज्य से हमेशा के लिए निकाल दिया जाएगा. इसलिए प्रश्नों को ध्यान से सुनो:
दुनिया की सबसे तेज चीज क्या है?
दुनिया की सबसे मोटी चीज क्या है?
दुनिया की सबसे प्यारी चीज क्या है?
तुम लोगों के पास इन प्रश्नों के जवाब ढूंढने के लिए तीन दिन हैं."

फिर शिकारी और चौकीदार इस मामले पर चर्चा
करने के लिए एक-साथ जंगल में गए.
"मुझे पता है!" चौकीदार ने कहा. "हम कहेंगे कि
दुनिया की सबसे तेज़ चीज़ राजा का घोड़ा है;
और दुनिया में सबसे मोटी चीज़ राजा का सुअर है!"
"और दुनिया की सबसे प्यारी चीज," शिकारी ने कहा,
"राजा की माँ है!"
इतने अच्छे उत्तर पाकर वे दोनों खुशी से नाचने लगे.
उन्हें अपनी चतुराई पर नाज़ था.

चक्की वाला उदास होकर सड़क पर अकेले चला. वो राजा के किसी भी प्रश्न का उत्तर नहीं सोच पाया. जब वो घर पहुंचा तब राहेल, मेज पर भोजन लगा रही थी. "पिताजी," राहेल ने कहा, "आप बहुत उदास लग रहे हैं. आप क्यों इतने परेशान हैं?"

"तुम्हें पता नहीं बेटा कि मैं किस मुसीबत में फंसा हूँ," चक्की वाले ने कहा. फिर उसने अपनी बेटी को राजा की तीनों पहेलियों के बारे में बताया.

राहेल ने कहा, "पिताजी, यह पहेलियाँ तो काफी आसान है!" और फिर उसने अपने पिता के कान पहेलियों के जवाब फुसफुसाए.

फिर राहेल ने मोमबत्तियां जलाईं.

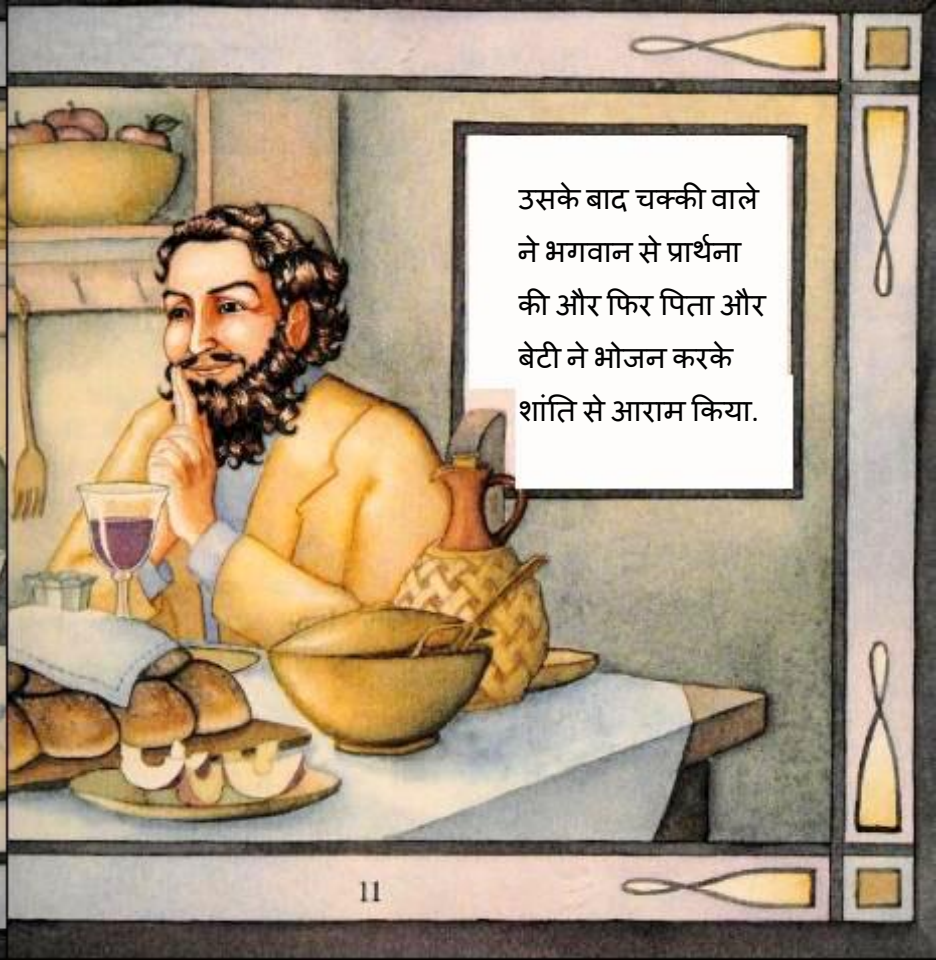
उसके बाद चक्की वाले ने भगवान से प्रार्थना की और फिर पिता और बेटी ने भोजन करके शांति से आराम किया.

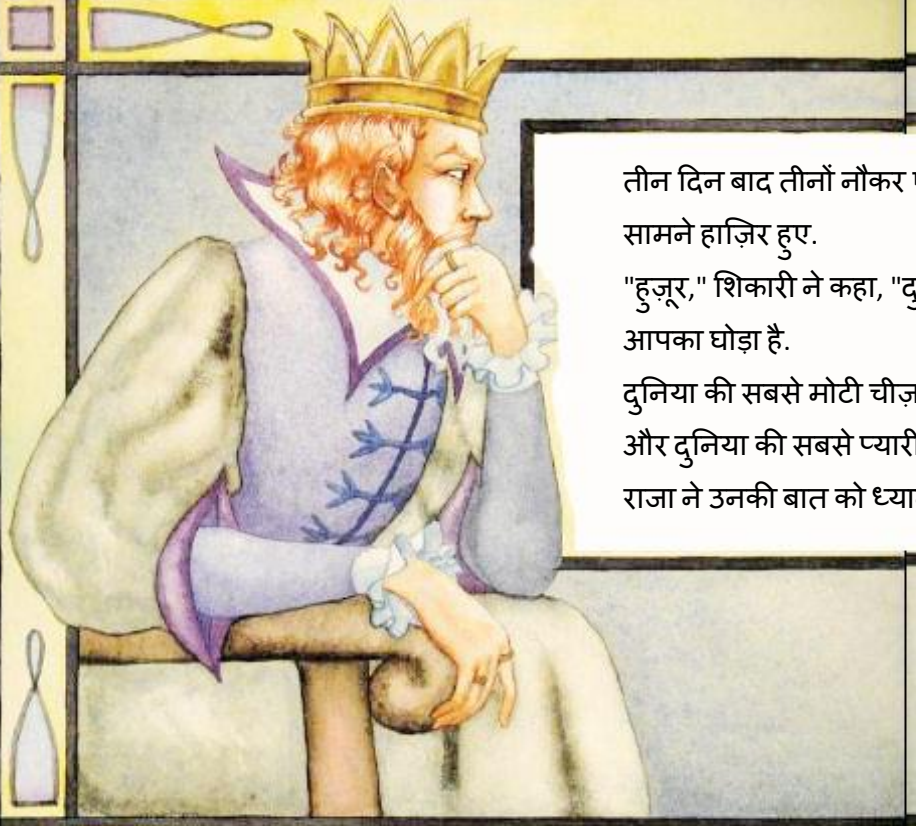

तीन दिन बाद तीनों नौकर एक बार फिर से राजा के सामने हाज़िर हुए.

"हुज़ूर," शिकारी ने कहा, "दुनिया की सबसे तेज़ चीज़, आपका घोड़ा है.

दुनिया की सबसे मोटी चीज़, आपका सुअर है.

और दुनिया की सबसे प्यारी चीज, आपकी मां है.”

राजा ने उनकी बात को ध्यान से सुना.

"गलत!" राजा ने कहा. "अब तुम लोग यहाँ से जाओ और फिर मेरे राज्य में कभी वापस मत आना!"
शिकारी और चौकीदार तुरंत वहां से चले गए और उसके बाद फिर किसी ने उन्हें नहीं देखा.
उसके बाद चक्की वाले की बारी आई. उसने एक गहरी साँस ली और कहा, "हुज़ूर, दुनिया की सबसे तेज़ चीज़ 'सोच' है. दुनिया में सबसे मोटी चीज़ पृथ्वी है. और दुनिया की सबसे प्यारी चीज़ नींद है."

उत्तर सुनकर राजा आश्चर्यचकित रह गया. "तुमने सोने की मोहरे जीतीं!" उन्होंने कहा. लेकिन फिर उन्होंने चक्की वाले को गौर से देखा. "मुझे यकीन नहीं है कि तुमने इन पहेलियों को खुद हल किया होगा. सच बताओ, तुम्हें उनके हल किसने बताए?" चक्की वाला पहले ही काफी डरा था. उसे पता था कि उसे राजा को सच्चाई बतानी ही होगी. "महाराज, मेरी बेटी राहेल ने इन पहेलियों को हल किया."

"हम्म! तुम्हारी बेटी बहुत चतुर लगती है," राजा ने कहा. "मैं उससे ज़रूर मिलना चाहूंगा. उससे कहना कि वो मेरे महल में आए.
लेकिन जब वो आए, तो उसने न तो कपड़े पहने हो, न ही कपड़े उतारे हों; वो न तो घुड़सवारी कर रही हो और न ही चल रही हो;
और वो मेरे लिए एक ऐसा कोई उपहार लाए जो उपहार न हो. अगले तीन दिनों में राहेल को ऐसा करना होगा,
नहीं तो तुम्हें भी हमेशा के लिए राज्य से निकाल दिया जाएगा!"

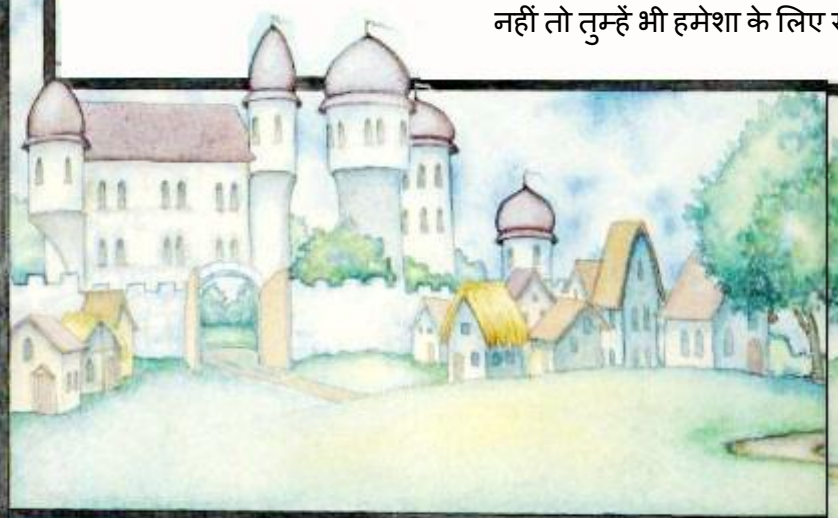

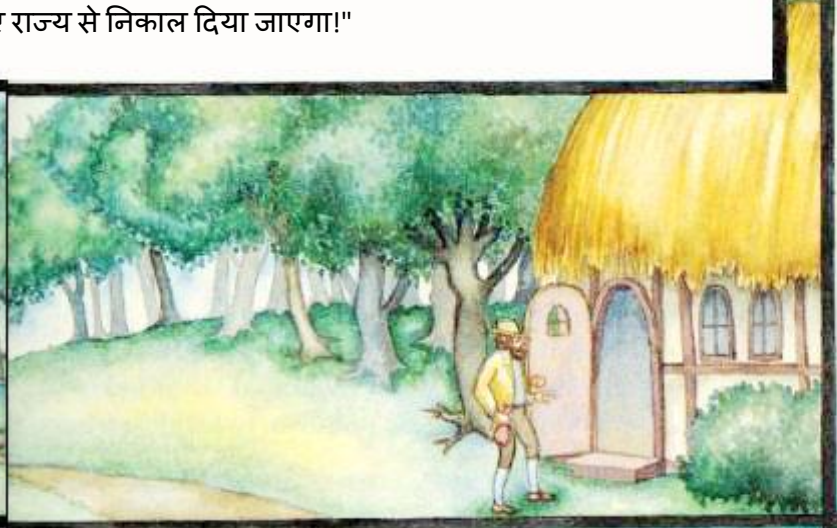

फिर परेशान चक्की वाला बहुत धीरे-धीरे सड़क पर आगे चला. जब वो घर पहुँचा, तो राहेल उसे दिलासा देने के लिए आई. "पिता जी, आप क्यों इतने परेशान हैं?" उसने पूछा. चक्की वाले ने बेटी को राजा के प्रश्नों के बारे में बताया. फिर राहेल ने कहा, "पिताजी, यह सब करना काफी आसान है.

बस आप मुझे कुछ पैसे दें और मुझे बाज़ार जाने दें."
बाज़ार में राहेल ने तीन चीज़ें खरीदीं: एक मछली पकड़ने वाला जाल, एक बकरी, और कबूतरों की एक जोड़ी.
तीसरे दिन राहेल, राजा से मिलने जाने को तैयार हुई.

सबसे पहले, राहेल ने अपने सारे कपड़े उतारे और फिर खुद को मछली पकड़ने वाले जाल में लपेटा - इसलिए अब उसने न तो कपड़े पहने थे और न ही वो बिना कपड़ों के थी. फिर, राहेल बकरी के ऊपर बैठी, लेकिन अपने पैरों को जमीन पर घसीटकर आगे चली. इसलिए जब वो महल में पहुंची तो वो न तो सवारी कर रही थी और न ही चल रही थी. जब वो राजा के आँगन में घुसी, तो उसने अपने हाथों के कबूतर राजा को दिखाए और कहा, "मैं आपके लिए एक उपहार लाई हूँ." फिर राहेल ने अपने हाथ खोले, जिससे दोनों कबूतर उड़ गए. वो राजा के लिए एक उपहार भी था और नहीं भी.

राजा ने देखा कि राहेल बहुत बुद्धिमान और चतुर थी.

फिर राजा ने राहेल का हाथ थामा और उससे विनती की कि वो राज्य के शासन में उसकी मदद करे.

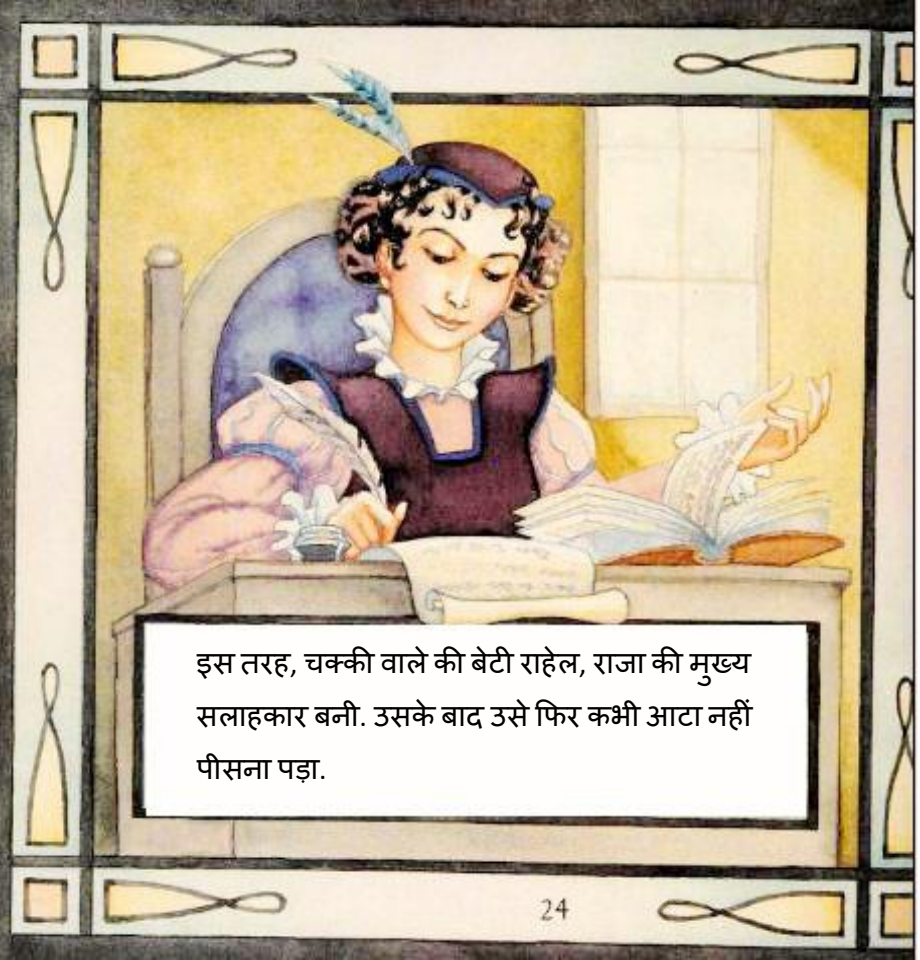

इस तरह, चक्की वाले की बेटी राहेल, राजा की मुख्य सलाहकार बनी. उसके बाद उसे फिर कभी आटा नहीं पीसना पड़ा.

समाप्त